ekrhyky ug: lk/; egkfo|ky;

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

Okkf"kd foojf.kdk

सत्र : 2015–2016

मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि माननीय प्रो. गंगा प्रसाद विमल, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री खेमचन्द जी, गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह काडियान जी एवं स्टॉफ काउंसिल सचिव डॉ. विद्याशंकर सिंह और मंच के सम्मुख्य बैठे सहयोगी शिक्षकगण, कर्मठ–कुशल कर्मचारी बंधुओं, प्रिय छात्र एवं छात्राओ –

मैं इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

आपको यह जानकार अपार हर्ष होगा कि महान विभूति प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर सन् 1956 में स्थापित यह 'मोतीलाल नेहरू कॉलेज प्रारंभ में 'हस्तिनापुर कॉलेज' के नाम से जाना जाता था। पं. मोतीलाल नेहरू 1919 ई. एवं 1920 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने 1923 ई. में देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना भी की। आज भी इलाहाबाद में आनंद भवन स्वतंत्रता आंदोलन की अमर गाथा को अपने भीतर संजोये हुए है एवं संपूर्ण भारतवासियों के लिए एक प्रेरणापुंज भी है। पं. मोतीलाल नेहरू के परिवार की राजनैतिक विरासत आज भी राष्ट्र सेवा में अपनी सार्थकता के लिए संघर्षरत है।

हमें इस तथ्य का उल्लेख करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, विख्यात शिक्षाविद् डॉ. आर. के. भान थे। आने वाले वर्षो में डॉ. शंकरदेव शर्मा 'अवतरे', डॉ. सुरेशचन्द शर्मा और डॉ. बी. के. शर्मा जैसे प्रशासनिक दक्षता वाले व्यक्तियों ने कॉलेज के प्राचार्य पदभार का दायित्व संभाला।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है तथापि इस औपचारिकता को निभाने में मैं गौरव का अनुभव करता हूं।

आज के समारोह के मुख्य अतिथि माननीय प्रो. गंगा प्रसाद विमल जी हैं, जिनका परिचय प्रस्तुत करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। प्रो. गंगा प्रसाद विमल मुख्य अतिथि के रूप में आज हमारे बीच साहित्य से सम्बद्ध एक ऐसे शिक्षाविद् हैं, जिन्होंने शैक्षणिक और प्रशासनिक संस्थाओं के विकास में निरंतर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आप (1989 से 1997) तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में केंद्रीय हिंदी निदेशालय (शिक्षा विभाग) के निदेशक रहे हैं। आपने उस्मानिया विश्वविद्यालय (हैदराबाद), जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया है। आपने भारतीय भाषा केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। इसके अतिरिक्त आपने शब्दकोशों से संबंधित योजनाओं, भाषा ज्ञान संबंधी सामग्री तथा भारतीय भाषा संबंधी नीतियों से सम्बद्ध भारत सरकार की विभिन्न समितियों में कार्य किया है।

प्रो. गंगा प्रसाद विमल जी हिंदी साहित्य में अकहानी आंदोलन के जनक माने जाते है। आप एक प्रसिद्ध कवि, कथाकार, उपन्यासकार, आलोचना, अनुवादक आदि के रूप में दुनियाभर में जाने जाते हैं। आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं–

1. कविता संग्रह – बोधि वृक्ष, नो सूनर, इतना कुछ, सन्नाटे से मुठभेड़, मैं वहां हूं, अलिखित–अदिखत, कुछ तो है।

2. उपन्यास – अपने से अलग, कहीं कुछ और, मरीचिका, मृगांतक।

3. कहानी संग्रह – कोई शुरूआत, अतीत में कुछ, इधर–उधर, बाहर न भीतर, खोई हुई थाती आदि।

4. नाटक – आज नहीं कल।

5. आलोचना – प्रेमचंद, समकालीन कहानी का रचना विधान, आधुनिकता : साहित्य का संदर्भ

6. संपादन – अभिव्यक्ति, गजानन माधव मुक्तिबोध का रचना संसार, अज्ञेय का रचना संसार, लावा (अंग्रेजी), आधुनिक कहानी, सर्वहारा के समूह गान, नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, वाक्य विचार।

7. अंग्रेजी में अनुदित पुस्तकें – Here and There and Other Stories, Collection of short stories in English, Mirage, Talisman, Who lives Where and Other Poems, Unwritten and Unseen, Tiger Tantra etc.

8. लगभग पन्द्रह पुस्तकें अन्य भाषाओं से हिंदी में अनुदित हैं। वे पुस्तके हैं–तमाम रात आग, उद्‌गम, मार्ग, हरा तोता, देव के ताले आदि।

इसके अलावा आपने शैक्षणिक गतिविधियों के लिए अनेक देशों की यात्राएं भी की हैं। आज इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर यह उल्लेख करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि आपको साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं की ओर से सम्मानित किया गया है–

1. अन्तर्राष्ट्रीय सर्वोच्च बुल्गारियाई सम्मान
2. आर्ट यूनीवर्सिटी, रोम द्वारा पुरस्कृत
3. डॉ. अम्बेडकर विशिष्ट सेवा सम्मान
4. बिहार सरकार द्वारा दिनकर पुरस्कार
5. इंटरनेशनल ओपन स्कॉटिश पोएट्री प्राईज

6. भारतीय भाषा पुरस्कार
7. भारतीय भाषा परिषद सम्मान
8. महाराष्ट्र भारती सम्मान
9. हिंदी–उर्दू सम्मान
10. नेशनल म्यूजियम ऑफ लिटरेचर द्वारा पुरस्कृत

इसके अतिरिक्त आपको कई अन्य पुरस्कारों से सम्मनित किया गया है। आपको अनेक सरकारी, गैर–सरकारी, देशी–विदेशी संस्थाओं और संस्थानों की सदस्यता प्राप्त हैं।

आपका व्यक्तित्व, शैक्षणिक जीवन तथा प्रशासनिक उपलब्धियां मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के लिए प्रेरणा–पुंज होगा। इसके लिए कॉलेज के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी की ओर से हम आपके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

dkyt dh xofux ckMh

वर्तमान गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री खेमचन्द जी हैं। आप पेशे से वकील हैं तथा सर्वोच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करते हैं। आप दिल्ली दूरदर्शन एडवाइजरी समिति के सदस्य रहे हैं। आप भारत सरकार के खाद एवं रसायन मंत्रालय में सलाहकार समिति के सदस्य रहे हैं।

हमारे लिए यह गर्व–गौरव, हर्ष और प्रेरणा की बात है कि श्री खेमचन्द जी मोतीलाल नेहरू कॉलेज में छात्रसंघ के अध्यक्ष रहे हैं। आप दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ में Executive Councillor रहे हैं।

श्री खेमचन्द जी समर्पित समाज सेवी हैं। आप All India Blind Relief Society, Governing Body के Member हैं। आप किसानों की समस्याओं के प्रति जागरूक है और इस दिशा में आपके कार्य सराहनीय हैं। इसी तरह के अनेक सामाजिक कार्यों से आप जुड़े हुए हैं।

मुझे यह बताते हुए अत्यधिक खुशी हो रही है कि श्री खेमचन्द जी ने इस कॉलेज के लिए कुछ असंभव कार्य को संभव बनाया। आपके द्वारा किया गया यह कार्य अविस्मरणीय हैं, जिनका मैं उल्लेख करने जा रहा हूं–

1. बिजली का HTL Connection.
2. दिल्ली जल बोर्ड के पानी का कनेक्शन।
3. भवन समिति में मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) का अब तक कोई भी प्रतिनिधित्व नहीं था। आपके प्रयास से भवन समिति में हमारे कॉलेज के पांच सदस्यों को शामिल किया गया है।

4. इसी तरह आपके प्रयास से भवन मैनेजमेंट समिति में दो सदस्य और कैंटीन समिति में भी दो सदस्य को शामिल किया गया।

5. आपके प्रयास से ही फिजिकल एज्युकेशन विभाग को अब जाकर एक स्वतंत्र कमरा मिला है।

प्रो. इनाक्षी खुल्लर शर्मा और प्रो. अनिल ग्रोवर गवर्निंग बॉडी में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि हैं। प्रो. इनाक्षी खुल्लर शर्मा Department of Electronic Science, South Campus, University of Delhi में कार्यरत हैं। प्रो. अनिल ग्रोवर Department of Plant Molecular Biology, South Campus, University of Delhi में विभागाध्यक्ष के रुप में कार्यरत हैं। श्री वीरेन्द्र सिंह काडियान वर्तमान गवर्निंग बॉडी में ट्रेजर्र हैं। आप पेशे से वकील हैं।

डॉ. जे. पी. मिश्रा (कार्यवाहक प्राचार्य, मोतीलाल नेहरू कॉलेज) गवर्निंग बॉडी के सचिव है। मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) की ओर से सदस्य डॉ. एस. के. शर्मा (कार्यवाहक प्राचार्य) एवं शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. दिनेश चन्द्र वार्ष्णेय (इतिहास विभाग) एवं डॉ. प्रिया भल्ला (अर्थशास्त्र विभाग) है। श्री राजेश हाण्डू (प्रशासनिक अधिकारी, नॉन टीचिंग) सांध्य कॉलेज की ओर से विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। श्री खेमचन्द जी की अध्यक्षता में यह गवर्निंग बॉडी जहां एक ओर कॉलेज की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के मार्गदर्शक के रूप में है वहीं दूसरी ओर कॉलेज की विभिन्न समस्याओं के निदान की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।

dkyst Hkou

आज कॉलेज के पास दस एकड़ भूखण्ड पर बना अपना भवन तो है परन्तु अभी भी अपूर्ण और अपर्याप्त है। अध्यापन कक्ष, सभागार भवन का निर्माण होना अभी शेष है। सांध्य कॉलेज साढ़े तीन बजे से आरंभ होकर रात नौ बजे तक चलता है।

iLrdky;

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें 70 हजार से अधिक पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। पुस्तकालय में सभी प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्र–पत्रिकाएं आती हैं। हमारा इलैक्ट्रॉनिक रिसोर्स सेंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्युटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। रिसोर्स सेंटर में प्राध्यापकों के लिए अलग से अध्ययन कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन कार्यवाहक लाइब्रेरियन श्री राधेश्याम जोशी की देखरेख में एवं पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा होता है। डॉ. जी. एन. त्रिवेदी (राजनीति विज्ञान विभाग) पुस्तकालय परामर्श समिति के संयोजक हैं। जिनका परामर्श और सुझाव पुस्तकालय को समय–समय पर मिलता रहता है। पुस्तकालय का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है जिसके लिए डॉ. जी. एन. त्रिवेदी धन्यवाद के

पात्र हैं। पुस्तकालय की लगभग सभी किताबों की बार–कोडिंग कर दी गई है जिससे छात्र कम्प्युटर के माध्यम से आसानी से किताबें ढूंढ लेते हैं।

यद्यपि कुछ वर्षों से विद्यार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है परन्तु पुस्तकालय स्टॉफ की संख्या सन् 1980 में जो थी, आज भी वही है। इस संदर्भ में मैं यह सूचित करना चाहता हूं कि पर्याप्त स्टॉफ न होने पर भी पुस्तकालय की सेवाएं एक दिन के लिए भी बाधित नहीं हुई।

<u>प्रशासनिक</u>

हमारे लिए सुखद संयोग है कि पिछले कई वर्षों से निरंतर विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक कार्य को सुचारू रूप से चलाने में स्टॉफ की कमी के चलते एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके हमें अपने सभी कर्मचारियों की कार्यकुशलता पर गर्व है, जिन्होंने इस समस्या का सामना कुशलतापूर्वक किया है। इसके लिए मैं अपने प्रशासनिक अधिकारियों श्री राजेश हान्डू, श्री श्रवण कुमार और सेक्शन ऑफिसर श्री देशराज चावला एवं श्री गुलशन कपूर कार्यवाहक सेक्शन ऑफिसर (Accounts) के लिए आभार प्रकट करता हूं। मैं अपने उन सभी कर्मचारियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता हूं, जिनके विशेष योगदान से कॉलेज का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। **आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे कॉलेज ने वर्ष** 2015&16 e **Online Fee** yu dh ifd;k dk lQy cuk;k gA ;g dk; **दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ ही** dkyt dj ik, gA ;g gekj fy, cgr cMh miyfC/k gA

<u>ik/;kid</u>

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि यहां विशिष्ट योग्यताओं से युक्त प्राध्यापक हैं। इस कॉलेज के अनेक प्राध्यापक शोध–निर्देशक भी हैं। कॉलेज में कुल 90 प्राध्यापक हैं जिनमें 40 प्राध्यापक स्थाई हैं, 39 प्राध्यापक तदर्थ एवं 11 प्राध्यापक अतिथि के रूप में कार्यरत हैं। प्राध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते हैं। प्राध्यापकों की पुस्तकें भी समय–समय पर प्रकाशित होती हैं ।

Jhefr jhrk dDdM ¼vxth foHkkx½ o"k 2015 e lokfuor gb gA

vxth foHkkx

Mk- **प्रदीप श**kj.k ¼,lkfl,V ikQlj½

1. ELTAI की ओर से 9–11 जुलाई 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में Politics is the cause of the disastrous fall in the quality of teacher and the the teaching of English in India विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

2. OUCIP, Hyderabad की ओर से 26–28 नवंबर 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, Reflections of Feminism in Margaret Atwood's Poetry विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। साथ ही इसी सम्मेलन में एक सत्र का संचालन भी किया।

3. ISCS की ओर से 25–27 जनवरी 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में The Theme of Identity in the poems of Margaret Atwood, Derek Walcott and Kamla Das : A post- colonial perspective विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

Mk- T;kfr tk[kM nfg;k

3–4 मार्च 2016 को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र Inflecting popular culture : A case study of the reception of tangled in India शीर्षक से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही मधुलिका चक्रवर्ती के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'बुक एज सीरिज' 2015 में Untold and Foretold : Sociological and Historiographical insights into Marquez's Chronicle of a death Foretold शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

Mk- gek nfg;k

एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक की ओर से 8 अक्टूबर 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. हेमा दहिया ने Power of language in Antony and Cleopatra विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से 16–18 नवंबर 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपने Reappropriations of Shakespeare in Colonial Bengal विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हेमा दहिया और डॉ. आनंद प्रकाश के सह संपादन में Republicanism in Shakespeare शीर्षक से 2015 में पुस्तक प्रकाशित हुआ। इसी पुस्तक में इनका The Roman Republic in Shakespear's Julius Caesar and Coriolanus नामक लेख प्रकाशित हुआ।

अर्थशास्त्र विभाग

Mk- fiz;k HkYyk

श्री गुरू गोविन्द कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ओर से 4–5 फरवरी 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में Performance of Financial Services Sector Entities : Pre and Post Merger and Acquisition विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनन्या घोष दस्तिदार और यामिनी गुप्त के संपादन में एने बुक्स प्राइवेट लिमिटेड से प्रकाशित पुस्तक 'कंटम्परारी इश्यूस इन ट्रेड इन्वायरमेंट एण्ड पॉलिसी, 2015 में 'Mergers and Acquisitions in Indian Financial Sector : Policy Issues and Regulatory Challenges नामक लेख प्रकाशित हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'जर्नल ऑफ बिजनेस एण्ड पॉलिसी रिसर्च वॉल्यूम–10, 1 जुलाई 2015 में Do mergers and Acquisitions Enhance Technical Efficiency ? An Empirical Assessment विषय पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ फाइनानशियल सर्विसेज मैनेजमेंट 2015, वॉल्यूम–8 में Ex-ante Characterstics of Acquirers and Targets in Indian Financial Sector विषय पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

Mk- vt; yh vxzoky

1. Output Bound DEA Model for Efficiency Analysis of Indian States for Non Income HDI शीर्षक से इंडियन जर्नल ऑफ ह्यूमन डवलेपमेंट में शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

2. जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य) दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से 29–30 मार्च 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Productivity in Organized Manufacturing Industry विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

3. श्यामलाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) की ओर से दिनांक 4–5 अप्रैल 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Trade and Productivity in Indian Sugar Industry शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

okf.kT; foHkkx] lqJh- uhyw xkSoj

श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 16–17 मार्च 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में Indian Health Care Sector : Need for Nurse Entrepreneurs/ Intrapreneurs विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

fgnh foHkkx

Mk- विद्याशंकर सिंह

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से श्री अरविन्दो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18–19 सितंबर 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **वैश्ohdj.k vkj HkfDrdky** विषय पर एक सत्र का संचालन किया।

Mk- अश्वनी कुमार

आपने भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में सितंबर 2015 में एसोसिएट के रूप में रिसर्च कार्य किया ।

आपका रिसर्च पेपर भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला की प्रतिष्ठित पत्रिका 'हिमांजलि' में प्रकाशित हुआ ।

Mk- i`sdj flag

आपकी पुस्तक 'मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में आधुनिकता का स्वरूप' वर्ष 2016 में प्रकाशित हुई है।

Jh dkukjke eh.kk

1. आपने दिनांक 13–14 मार्च को भारतीय भाषा केन्द्र जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'समकालीन हिन्दी उपन्यास : सह–चिंतन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाक में नारी विमर्श' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

2. आपने दिनांक 18–19 सितम्बर, 2015 को श्री अरविन्दों कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समकालीन वैश्वीकृत परिदृश्य और भक्तिकालीन कविता' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

lJh i"ik ehuk

आपने मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य द्वारा 28–29 मार्च 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दलित विमर्श और मुद्राराक्षस का साहित्य' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

lJh flEeh pkgku

आपने मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य द्वारा 28–29 मार्च 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अम्बेडकरवादी चिंतन और आज का दलित समाज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

Mk- foiqy dqekj

आपकी श्री नटराज प्रकाशन से 2015 में दो पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

1. 'हिंदी काव्य संकलन' (संपादन)। 2. 'हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास' लेखन में।

jktuhfr foHkkx Mk- jk/kkukFk f=ikBh

डॉ. अजय परमार और अमिताभ भट्ट के संपादन (2015) में प्रकाशित पुस्तक में Tokenism to Pro-activism : Decentralisation of Disaster Management and Panchayati Raj in India विषय पर लेख प्रकाशित हुआ है।

1. आईसीएचआर संपोषित और एम.एम.एच. कॉलेज, गाजियाबाद की ओर से 11–12 मार्च 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Gandhi's Ideas of Human Rights विषय पर आलेख प्रस्तुत किया है।

3. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा 26–27 नवंबर 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Making Welfare a Right : Application of Right Based Approach to the Social Welfare Administration विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

4. आर. आई. ई, भोपाल की ओर से 27–29 नवंबर 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Making Education a Fundamental Right : an Assessment of India's Attempt to Develop Equal and Inclusive Education विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

5. आई.सी.एस.एस.आर. 11–12 अप्रैल 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में Public Security, Cyber Crimes and Police in India : Need for E-governance in Police विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया है।

bfrgkl foHkkx

Mk- iq[kj

वर्ष 2015 में Caste System in Hisar District of Haryana विषय पर राष्ट्रीय जर्नल UMR में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

वर्ष 2015 में चुनाव : चुनौतियां और समाधान, विषय पर राष्ट्रीय जर्नल द ओपिनियन में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

आपने हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, बगोला, पलवल (हरियाणा) की ओर से 26 मार्च 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में Contribution of Sanskrit literature in the study of History विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया है।

Dr. Jaya Priyadarshini

Received the Ph.D degree in 2015. (Thesis titled 'Redefining Social Worlds: The 'Menials' and Service Jatis in 18th Century Marwar').

Presented a paper titled 'Between the Devil and the Deep Sea: Menial Caste Women and Slavery in Eighteenth Century Jodhpur' at Mansfield College, Oxford University on 7th July 2015.

Presented a paper title 'Transgression of Boundaries: Inter-caste Relationship with Achhep Women and its Repercussions in 18th Century Marwar' at Nehru Memorial Museum and Library on 14th October 2015.

फिजिकल एजुकेशन

डॉ. एम. एस. राठी ने 12वीं साऊथ एशियन गेम्स में 'ट्रायथलोन प्रतियोगिता' में तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्य किया। यह प्रतियोगिता फरवरी 2016 गुवाहाटी में भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।

LVkQ dkmfly

डॉ. विद्याशंकर सिंह स्टॉफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल में शैक्षणिक स्तर और अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को कार्यान्वित किया जाता है। डॉ. विद्याशंकर सिंह ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

कॉलेज में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के कल्याणकारी कार्यों के लिए असोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भांति ही हुआ है।

स्टॉफ असोसिएशन :

अध्यक्ष – श्री विजय सिंह

उपाध्यक्ष – डॉ. विद्याशंकर सिंह

सचिव – डॉ. विष्णु चरण नाग

संयुक्त सचिव – डॉ. प्रिया भल्ला

ट्रेजर्र – श्री काना राम मीणा

कर्मचारी असोसिएशन : अध्यक्ष – श्री राधेश्याम जोश सचिव – श्री राजेश हान्डू

Nk=&l?k

आज का छात्र जहां अपने अधिकारों की मांग करता है वहीं वह अपने कर्तव्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सजग है, जिसके कारण छात्र–संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई। इसके लिए मैं छात्र–संघ के पदाधिकारियों को बधाई देता हूं। छात्र–संघ के सलाहकार समिति के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूं, जिन्होंने प्रशासन और छात्रसंघ के बीच सेतू का कार्य किया और सभी समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

orZeku Nk=&l?k dh inkf/kdkjh gSa&

अध्यक्ष : एस. रामासैमी उपाध्यक्ष : सानिध्य सिंह

सचिव : सिमरण कौर संयुक्त सचिव : रवि

सेंट्रल काउंसलर : दीपक तथा मोनिका यादव

कॉलेज के छात्र–संघ के तत्वावधान में दिनांक 8–9 मार्च 2016 को सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा भव्य रंगारंग कार्यक्रर्म प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियां और प्रबंधन विद्यार्थियों तथा छात्र संघ के पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयत्न का प्रतिफल था। छात्र संघ के परामर्शदाता समिति साथ ही सांस्कृतिक समिति की निष्ठा और परिश्रम से यह सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रभावी और आकर्षक रहा।

v/;;ujr fo|kFkhZ ,oa ijh{kk ifj.kke

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2015–2016 के सत्र में 2221 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों की संख्या 1552 हैं तथा छात्राओं की संख्या 669 हैं।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा भौक्षणिक स्तर दिनों–दिन श्रेश्ठ से श्रेश्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं क्रमशः परीक्षा परिणाम का उल्लेख कर रहा हूं–

अर्थशास्त्र ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 78 प्रतिशत

बी. ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष – 92 प्रतिशत

बी. ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष – 41 प्रतिशत

बी. कॉम. प्रथम वर्ष – 99 प्रतिशत
बी. कॉम. तृतीय वर्ष – 76 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष – 86 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 96 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स तृतीय वर्ष – 63 प्रतिशत

अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष – 76 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 90 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष – 60 प्रतिशत

हिंदी ऑनर्स प्रथम वर्ष – 81 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 84 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स तृतीय वर्ष – 56 प्रतिशत

इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष – 65 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 80 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष – 35 प्रतिशत

राजनीति विज्ञान ऑनर्स प्रथम वर्ष – 97 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 97 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष – 66 प्रतिशत

LkkLdfrd&vdknfed xfrfof/k;k

हमारा कॉलेज इस वर्ष स्वर्ण जयंति वर्ष मना रहा है। इस यात्रा में हमारे कॉलेज ने बहुत–सी उपलब्धियां प्राप्त की है। पिछले पचास वर्षों से हमारे छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने जिस अकादमिक समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है उससे शिक्षा, खेल–कूद, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में कॉलेज की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि कॉलेज में वर्ष भर शैक्षिक (राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा व्याख्यान) व सांस्कृतिक गतिविधियां निरंतर चलती रही हैं। इनका श्रेय यहां के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को जाता है। शैक्षिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियां इस प्रकार हैं।

jk"Vh; lxk"Bh & bl o"k dkyt e rhu foHkkx u **UGC** }kjk ik;kftr jk"Vh; lxk"Bh dk vk;ktu fd;kA

अंग्रेजी विभाग, ने 15 मार्च 2016 को 'Padagogy and Methodology for Teaching English Language Skills to Undergraduates in Collleges of India Under the CBCS System विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया।

इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ. प्रदीप सरन थे ।

अर्थशास्त्र विभाग ने 18–19 मार्च 2016 को Goods and Services Tax : Impact on Indian Economy विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अंजली अग्रवाल थी।

हिंदी विभाग ने 28–29 मार्च 2016 को 'nfyr lkfgR; dk lnHk] vEcMdjoknh fpru vkj Hkkjrh; lekt* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अश्वनी कुमार थे।

आपको यह जानकार अपार हर्ष होगा कि आपके कॉलेज के तीन प्राध्यापक को 2016 से 2018 के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्रतिष्ठित फैलोशिप – 'रिसर्च अवॉर्ड ऑफ टीचर्स' के लिए चुना गया।

1- Mk- **अश्वनी कुमार** ¼fgnh foHkkx½
2- Mk- **राजेश कुमार** (vxth foHkkx½
3- Mk- igykn dekj cjok ¼ jktuhfr foKku foHkkx½

0;k[;ku

अंग्रेजी विभाग ने 6 अक्टूबर 2015 को कॉलेज में व्याख्यान आयोजित किया। इसमें जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. सिम्मी मल्होत्रा ने व्याख्यान दिया ।

vU; lkLdfrd&vdknfed xfrfof/k;k

अर्थशास्त्र विभाग ने चैनन्य और जय कुमार के नेतृत्व में Inflation in India विषय पर एक वार्ता आयोजित किया।

अर्थशास्त्र विभाग ने चार्टड अकाउंटेड श्री सौरभ जैन के नेतृत्व में Goods and Services tax : Impact on Indian Economy विषय पर वार्ता आयोजित की।

अंग्रेजी ऑनर्स के छात्रों ने नवंबर 2015 में भारत एक खोज से मृक्षकटिकम एपिसोड का मंचन किया।

अंग्रेजी ऑनर्स सेमेस्टर तीन के छात्रों ने नवंबर 2015 में वेबस्टर्स के डचेस ऑफ मल्की के एक दृश्य का मंचन किया।

श्री कानाराम मीणा के नेतृत्व में एन.एस.एस की ओर से दिनांक 12 जनवरी 2016 को स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया है। श्री कानाराम मीणा के नेतृत्व में एन.एस.एस की ओर से दिनांक 21 जून 2015 को विश्व योग दिवस मनाया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा एक वृहद् परियोजना 'इनोवेशन प्रोजक्ट' के क्रियान्वयन का दायित्व कॉलेज को दिया गया था। इस वृहद परियोजना को पूर्ण करने का दायित्व डॉ. राधानाथ त्रिपाठी (राजनीति विज्ञान), डॉ. विष्णुचरण नाग (अर्थशास्त्र विभाग) एवं श्री रजनीश क्लेर (कॉमर्स विभाग) को दिया गया था। इन्होंने इस परियोजना को सम्पन्न कर कॉलेज में वर्ष 2015 में जमा करा दिया है। इस परियोजना की सफलता के लिए उन्हें बधाई और धन्यवाद देता हूं।

dkyst if=dk

'अस्मिता' कॉलेज की पत्रिका है, जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए भी एक मंच प्रदान करती है। 'अस्मिता' में कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएं भी छपती हैं। इस वर्ष इसके प्रकाशन की देख–रेख के संपादक मंडल के सदस्य हैं–

प्रधान संपादक : डॉ. विष्णु चरण नाग (अर्थशास्त्र विभाग)।

सदस्य, संपादक मंडल : डॉ. ज्योति जाखड़ दहिया (अंग्रेजी विभाग)।

सदस्य, संपादक मंडल : डॉ. राजेश कुमारी कौशिक (हिंदी विभाग)।

सदस्य, संपादक मंडल : डॉ. प्रेम कुमार (इतिहास विभाग)।

[kyd n

इस वर्ष खेल जगत में हमारे कॉलेज की उपलब्धियां विशिष्ट रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता 2015–2016 में हमारा कॉलेज उप–विजेता रहा है। पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक खिलाड़ी को 5100/– मिला। यह किसी भी सांध्य कॉलेज के लिए विशिष्ट उपलब्धि है। वे खिलाडी हैं–

1. अंकित कुमार– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
2. योगेश सैनी– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
3. नकुल सिंह– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
4. मुकेश नैथानी– बी. ए. प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष)
5. रोहन कुंवर– बी. ए. प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष)
6. दिव्याशुं भार्मा– बी. कॉम ऑनर्स (तृतीय वर्ष)
7. हितेश बिष्ट– बी. ए. प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष)
8. नवीन कुमार– बी. ए. प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष)
9. शुभम यादव– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
10. विनीत सेवरान– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
11. प्रकाश सिंह– बी. कॉम ऑनर्स (तृतीय वर्ष)
12. विक्रम भण्डारी– अंग्रेजी ऑनर्स (द्वितीय वर्ष)
13. राहुल रावत– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
14. हितेश अरोड़ा– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)
15. राजकमल मलिक– इतिहास ऑनर्स (तृतीय वर्ष)
16. सान्तनु बेरा– इतिहास ऑनर्स (तृतीय वर्ष)
17. आशिक गुरूंग– बी. ए. प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष)

18. वरूण मिश्रा– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

19. पंकज भट्टाचार्या– इतिहास ऑनर्स (तृतीय वर्ष)

20. फ्रैंको पॉल– बी. कॉम प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

दिल्ली विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता 2015–16 में हमारा कॉलेज उप–विजेता रहा। इस कबड्डी प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज पहली बार हिस्सा लिया था। प्रत्येक खिलाड़ी को पुरस्कार स्वरूप 5100/– प्रदान किया गया। वे खिलाड़ी हैं–

1. विजय भदोरिया– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

2. दीपांशु तंवर– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

3. दीपक तंवर– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

4. अजय भदोरिया– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

5. दीपक सिंह– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

6. सुनील जी– हिंदी ऑनर्स (तृतीय वर्ष)

7. करन– राजनीति विज्ञान ऑनर्स (प्रथम वर्ष)

8. अंशुमान सिंह– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

9. सुरेश संसंवाल– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

10. राहुल कुमार– बी. ए. प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

11. रिंकू सांगवान–इतिहास ऑनर्स (प्रथम वर्ष)

12. राजेन्द्र– हिंदी ऑनर्स (प्रथम वर्ष)

दिल्ली विश्वविद्यालय wrestling प्रतियोगिता 2015–16 में हमारे कॉलेज के आकाश यादव को स्वर्ण पदक मिला। इन्हें 5100/– का नकद पुरस्कार मिला।

दिल्ली विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2015–16 में हमारे कॉलेज को कॉस्य पदक मिला। प्रत्येक खिलाड़ी को पुरस्कार स्वरूप 5100/– प्रदान किया गया। वे खिलाड़ी हैं–

1. राजेश कुमार– हिंदी ऑनर्स (तृतीय वर्ष)

2. सौरभ– इतिहास ऑनर्स (तृतीय वर्ष)

3. आदित्य– राजनीति विज्ञान ऑनर्स (तृतीय वर्ष)

दिल्ली राज्य बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2015–16 में हमारे कॉलेज उत्सव (बी. ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष) को स्वर्ण पदक मिला। इन्हें पुरस्कार स्वरूप 5100/– प्रदान किया गया।

काठमाण्डू (नेपाल) में आयोजित एशियन कॉन्टीनेन्ट प्रतियोगिता 2015–16 में हमारे कॉलेज के गौरव कुमार (अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष) ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इन्हें पुरस्कार स्वरूप 5100/–प्रदान किया गया। यह किसी भी सांध्य कॉलेज के लिए विशिष्ट उपलब्धि है।

इस वर्ष हमारे कॉलेज के 07 फुटबॉल खिलाड़ियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से उत्तर भारत के अन्तर –विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के फुटबॉल टीम में 11 में से सात खिलाड़ी हमारे कॉलेज से थे। ये खिलाड़ी हैं–

1. प्रकाश सिंह 2. मुकेश नथानी
3. आशिक गुरंग 4. नवीन कुमार
5. राहुल रावत 6. फ्रैंको पॉल 7.अंकित जोसेफ

हमारे कॉलेज के मुकेश नथानी ने हिमाचल प्रदेश की तरफ से फुटबॉल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता संतोष ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

हमारे कॉलेज के आकाश यादव ने अन्तर विश्वविद्यालय कुस्ती प्रतियोगिता में तीसरी बार दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

[ky fnol

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 28–31 मार्च 2016 तक खेल दिवस का आयोजन किया गया। खेल दिवस का मुख्य समारोह 31 मार्च 2016 को आयोजित किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों के द्वारा किया गया भव्य मार्च–पास्ट तथा चेयरमैन और प्राचार्य द्वारा किया ध्वजारोहण विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र बना। खेल के मैदान में मार्च–पास्ट सभी खिलाड़ियों एवं एथलीट्स के विजेता बनने के दृढ़ संकल्प को चरितार्थ कर रहा था। इस प्रतियोगिता में जहां एक ओर लगभग विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। वहीं दूसरी ओर प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रकार की दौड़, रस्साकस्सी, म्युजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर दिवस को अविस्मरणीय बनाया।

इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय बॉक्सर तथा अर्जन अवॉर्ड से सम्मानित श्री राजकुमार सांगवान मुख्य अतिथि थे।

इस वर्ष संगीता (बी. ए. प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ महिला एथलिट तथा नवरत्न सैनी (बी. ए. प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ पुरूष एथलिट घोषित किया गया।

vc e dkyt [ky txr dh egRoi.k ?kk"k.kk dju tk jgk gA वर्ष 2015–16 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी गौरव कुमार (अंग्रेजी ऑनर्स, तृतीय वर्ष) को घोषित किया गया है।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए डॉ. एम. एस. राठी (एसोसिएट प्रोफेसर, फिजिकल एज्युकेशन) को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिनके कुशल निर्देशन और परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरण की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं, जिनके सहयोग के बिना यह सब संभव नहीं था। डॉ. अश्वनी कुमार, संयोजक (हिंदी विभाग), डॉ. प्रदीप सरण (अंग्रेजी विभाग), सुश्री. पारूल बत्रा (अंग्रेजी विभाग), सुश्री. पुष्पा मीना (हिंदी विभाग), डा. जयंत कुमार कश्यप (हिंदी विभाग) और डॉ. विपुल कुमार (हिंदी विभाग), के प्रति विशेष आभार जिन्होंने वार्षिक विवरण को प्रस्तुत करने में मेरा सहयोग किया।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी मेरे विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सक्रियता के साथ अपने गहन दायित्व का निर्वाह किया।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है जिन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में बल्कि राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

मैं प्रो. गंगा प्रसाद विमल जी के प्रति विशेष रूप से अनुगृहित हूं, जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हम सबकों उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया है। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूं तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

दिनांक : 19 अप्रैल 2016

डॉ. एस. के. शर्मा
कार्यवाहक प्राचार्य